B.A. HISTORY

Part-I / Paper-I

BY: DR. ANAND KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR, JAWAHAR LAL MEHRU COLLEGE, DEHRI-ON-SONE

TOPIC: "सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization)"

इस सभ्यता के लिए साधारणतः तीन नामों का प्रयोग होता है- सिन्धु सभ्यता, सिन्धु घाटी की सभ्यता और हड़प्पा सभ्यता।

सन् 1921 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक सर जान मार्शल के निर्देशन में राय बहादुर दयाराम साहनी ने पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) के माण्टगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर स्थित हड़प्पा का अन्वेषण किया। जान मार्शल ने सर्वप्रथम इसे सिन्धु सभ्यता का नाम दिया।

सैन्धव सभ्यता की तिथि निर्धारण करना भारतीय पुरातत्व का विवादग्रस्त है। यह सभ्यता आरम्भ से ही विकसित रूप में दिखाई पड़ती है। इस क्षेत्र में सर्वप्रथम प्रयास जान मार्शल का रहा है। उन्होंने 1931 में इस सभ्यता को तिथि लगभग 3250 ई० पू० से 2750 ई० पू० निर्धारित किया।

नवीनतम आँकड़ों के अनुसार यह सभ्यता 400-500 वर्षों तक विद्यमान रही तथा 2200 ई॰पू॰ से 2000 ई॰पू॰ के मध्य यह अपने परिपक्व अवस्था में थी।

अब तक इस सभ्यता के अवशेष पाकिस्तान और भारत में पंजाब, सिन्धु, बलूचिस्तान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिमी उ॰ प्र॰, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी महाराष्ट्र के भागों में पाए जा चुके हैं।

इस सभ्यता का फैलाव उत्तर में जम्मू से लेकर दक्षिण में नर्मदा के मुहाने तक और पश्चिम में मकरान समुद्र तट से लेकर पश्चिमी उ॰ प्र॰ में मेरठ तक है। इस सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल सुत्कागेडोर (बलूचिस्तान), पूर्वी पुरास्थल आलमगीर उत्तरी पुरास्थल मांडा (जम्मू) तथा दक्षिणी पुरास्थल दैमाबाद है।

इस त्रिभुजाकार क्षेत्र का क्षेत्रफल वर्तमान में लगभग 12 लाख वर्ग किमी. है। इस सभ्यता के विस्तार के आधार पर ही एच॰जी॰ वेल्स ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को एक विस्तृत साम्राज्य की सुदृढ़ राजधानियां बताया है।

सिन्धु सभ्यता के प्रवर्तकों या मूल संस्थापकों के सम्बन्ध में हमारी उपलब्ध जानकारी केवल समकालीन खण्डहरों से प्राप्त मानव कंकाल और कपाल है।

प्राप्त साक्ष्यों से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो की जनसंख्या एक मिश्रित प्रजाति की थी जिसमें कम से कम चार प्रजातियां थीं -

1) प्रोटो - आस्ट्रेलाइड
2) भूमध्य - सागरीय
3) अल्पाइन
4) मंगोलायड

आमतौर पर यही धारणा है कि मोहन जोदड़ो के लोग मुख्यतः भूमध्य सागरीय प्रजाति के थे सिन्धु सभ्यता के प्रवर्तकों को द्रविड़, ब्राहुयी सुमेरियन, पनि असुर, व्रात्य, बहीक, दास, नाग, आर्य ~~प्र~~ प्रजातियों से सम्बन्धित बताया जाता है परन्तु अधिकांश विद्वान इस मत से सहमत है कि द्रविड़ ही सैन्धव सभ्यता के निर्माता थे